भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2403

जिसका उत्तर दिनांक 10.08.2023 को दिया जाना है

एईसी और एईआरबी के बोर्ड का पुनर्गठन

2403 श्री आर. गिरिराजन :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की परमाणु ऊर्जा आयोग और परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के पुनर्गठन की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) एईसी और एईआरबी दोनों की संरचना और कार्यकाल क्या है; और

(ग) क्या सरकार के पास परमाणु ऊर्जा विभाग से सेवानिवृत्त उत्कृष्ट वैज्ञानिकों की सेवाओं को मान्यता देने की कोई कार्य योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) **परमाणु ऊर्जा आयोग** :

परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) का पुनर्गठन माननीय प्रधान मंत्री, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रभारी मंत्री हैं, की सलाह के आधार पर किया जाता है।

एईसी का पुनर्गठन पिछली बार तब किया गया था जब भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. अजित कुमार मोहान्ती को डीएई के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था, जो एईसी के पदेन अध्यक्ष भी हैं।

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) :

दिनांक 01/01/2023 को नए अध्यक्ष, एईआरबी की नियुक्ति के फलस्वरूप, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) का पुनर्गठन दिनांक 28.03.2023 की अधिसूचना संख्या 11/01/03/2023-ईआर/891 के तहत किया गया है।

(ख) एईसी और एईआरबी की वर्तमान संरचना और कार्यकाल निम्नानुसार है।

एईसी की वर्तमान संरचना और कार्यकाल :

1	डॉ. अजित कुमार मोहान्ती, सचिव, भारत सरकार परमाणु ऊर्जा विभाग	अध्यक्ष (पदेन)
2	श्री अजीत कुमार डोभाल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार	सदस्य
3	डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव	सदस्य
4	श्री राजीव गौबा, मंत्रिमंडल सचिव	सदस्य
5	श्री विनय मोहन क्वात्रा, विदेश सचिव	सदस्य
6	डॉ. टी.वी. सोमनाथन, सचिव, व्यय विभाग	सदस्य
7	सुश्री सीमा जैन, सदस्य-वित्त, अंतरिक्ष एवं पृथ्वी आयोग	सदस्य वित्त (एसीसी द्वारा अनुमोदित, दिनांक 01.08.2023 से प्रभावी)
8	डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन, पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग	सदस्य
9	प्रो. पी. रामा राव, पूर्व सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
10	डॉ. अनिल काकोडकर, कुलाधिपति, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, अध्यक्ष, राजीव गांधी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग, और पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग	सदस्य
11	डॉ. रवि बी. ग्रोवर, अवकाश-प्राप्त प्रोफेसर, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान	सदस्य
12	डॉ. के. कस्तूरीरंगन, पूर्व अध्यक्ष, अंतरिक्ष आयोग एवं पूर्व सदस्य, योजना आयोग	सदस्य

एईसी के सदस्यों का कार्यकाल माननीय प्रधान मंत्री, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रभारी मंत्री हैं, की सलाह के अनुसार निर्णित किया जाता है।

एईआरबी की वर्तमान संरचना और कार्यकाल :

1	श्री दिनेश कुमार शुक्ला	अध्यक्ष
2	श्री एस.बी. चाफ्ले, अध्यक्ष, प्रचालित संयंत्र संरक्षा समीक्षा समिति (सारकोप)	पदेन-सदस्य
3	डॉ. हर्ष के. गुप्ता, अवकाश-प्राप्त प्रोफेसर, अध्यक्ष, भारतीय भूवैज्ञानिक सोसायटी राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	सदस्य
4	डॉ. जी.के. रथ, प्रमुख, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल एवं प्रधान, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, (एनआईसी) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, (एम्स), नई दिल्ली	सदस्य
5	प्रो. देवांग वी. खखर, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुम्बई रसायनिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, मुम्बई	सदस्य
6	प्रो. (श्रीमती) एम. लक्ष्मी कांतम, डॉ. बी.पी. गोदरेज विशिष्ट प्रोफेसर, रसायनिक अभियांत्रिकी विभाग, रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई	सदस्य

जब भी परिषद के किसी सदस्य (अध्यक्ष सहित) की नियुक्ति में परिवर्तन होता है तो परिषद का पुनर्गठन किया जाता है।

(ग) परमाणु ऊर्जा विभाग के पास सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों की सेवाओं को मान्यता देने के लिए निम्नलिखित योजनाएं हैं।

i) राजा रामन्ना चेयर (पूर्व राजा रामन्ना अध्येतावृत्ति योजना), उन सक्रिय सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों की सेवाओं का उपयोग करने के लिए जो डीएई की इकाइयों या किसी राष्ट्रीय प्रयोगशाला या विश्वविद्यालय या संस्थान में अपने विशिष्ट क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान से जुड़े रहे हैं और जो सेवानिवृत्ति के बाद अपनी पसंद के क्षेत्र और परमाणु ऊर्जा विभाग के हित में अनुसंधान एवं विकास करने के इच्छुक हैं।

ii) डीएई - विशिष्ट वैज्ञानिकों/प्रोफेसरों हेतु होमी भाभा चेयर योजना उन सेवानिवृत्त और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों/इंजीनियरों सहित उत्कृष्ट वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को मान्यता और अवसर देने के लिए है जो अनुसंधान करने के लिए संवेदनशील और/या महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास से जुड़े हुए थे और अपनी पसंद के क्षेत्र तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के हित में अनुसंधान एवं विकास कार्य करना चाहते हैं।

* * * * *